

SEDUCEMENT : v. Seduction.

SEDUCER : (1) दूषयितृ (f. त्री) ; (2) दूषक (f. षिका) ; (3) नाशयितृ (f. त्री) .

SEDUCTION : (1) दूषणम्, *s. of girls* : कन्यादूषणम्, Mit. ; (2) नाशः, -नम् (=ruining) ; (3) शील-पातनम् and sim. comp.s. (only of chastity).

SEDUCTIVE : (1) प्रलोभन (f. नी) ; (2) प्रलोभक (f. मिका) ; (3) विलोभन (f. नी) or -क (f. मिका) ; (4) हारिन् (f. णी) ; (5) आकर्षक (f. षिका) .

SEDUCTIVELY : (1) प्र- or वि- लोभ्य ; (2) प्रलोभनं कुर्वत् (f. ती) ; etc.

SEDULITY, SEDULOUSNESS : अध्यवसायः : v. Diligence, industry.

SEDULOUS : अध्यवसायिन् (f. नी) : v. Diligent, assiduous.

SEDULOUSLY : (1) साध्यवसायम् ; (2) साभियोगम् : v. Diligently.

SEE (subs.) : perh. (1) मण्डलम् ; (2) अधिकारः (=jurisdiction).

SEE (v.) : I. In gen. : (1) पश्यति (दृश्, c. 1.), *old men s. what will come* : वृद्धबुद्धिरनागतं पश्यति, Vi. vi. ; *s.ing close by that he was unassailable even by mind* : पश्यन्नदूरान्मनसाऽप्यधृष्यम्, Ku. iii. 51. ; *I do not s. any one greater than or (even) equal to Rāma* : पश्यामि रामादधिकं समं वा नान्यम्, B. xii. 51. ; *you will s. the jaws of death* : द्रक्ष्यसि मृत्युमुखम्, D. ii. ; *to s. his dear old friend Vālmiki* : चिरन्तनप्रियसुहृदं प्राचेतसं द्रष्टुम्, U. iv. ; (2) ईक्षते, वि-, प्र-, निर्- सम्, अव-, सम्प्र-, (ईक्ष, c. 1.), (gen. with the eye. Also=look into, look to, etc. : q.v.), *s.ing that it is the first (offence)* : प्रथममिति प्रेक्ष्य, Sa. iv. ; (3) विलोकयति, अव- : v. To look ; (4) निर्वर्णयति (वर्ण, c. 10. =to look at attentively) ; (5) निमालयति, -ते (भल्, c. 10=4. : rare), N. xi. 1. II. Beware : expr. by circumlo.

SEED (subs.) : बीजम्, *for he who sows as. gets its fruit also* : यो यद्वपति बीजं हि लभते सोऽपि तत्फलम्, K.s. xvii. 148. ; *seller of bad s.s* : अबीजविक्रयी, M. ix. 291. ; *he who waters with descretion the seeds of work to be done* : घोऽमि-वर्षति विधिबीजानि विवेकवारिणा, Ki. ii. 31. ; *whose*

s. is the asking of the daughter of the king of Videha : बीजं यस्य विदेहतनयायाच्चा, Vi. vi. 1. ; *to bear the s. of the two* : वोढुमुमयोर्बीजम्, Ku. v. 60. ; *as if its starry grains have been ejected by the s.-(pulp)eating time* : तारामयं बीज-भुजादसीयं कालेन निष्छूतमिवास्थियूथम्, N. xxii. 14.

SEED-CORN, SEED-GRAIN : बीजधान्यम्.

SEED-PLOT, SEED-PLAT : prob. बीजक्षेत्रम्, बीज-भूमिः, etc.

SEED-TIME : वपनकालः and sim. comp.s.

SEED-VESSEL : बीजकोशः(षः), N. com.

SEEDLING : (1) बीजप्ररोहः ; (2) बीजरुहः (rare).

SEEDSMAN : I. The dealer : (1) बीजविक्रयिन् (m.) ; (2) बीजविक्रेतृ (m.) ; etc. II. The owner : बीजवत् or बीजिन् (m.), M. ix. 49., 51.

SEEDY : (1) बीजपूर्ण (f. णी) ; (2) बीजमय (f. यी) ; (3) बहुबीज (f. जा) .

SEEING THAT : = since, for, because : q.v.

SEEK (v.) : I. To look for : अन्विष्यति (इष्, c. 4.), *you who are to be sought in this world* : अन्वेष्टव्यो यदसि भुवने, U. ii. 13. : v. To search. II. To endeavour to gain : (1) कामयते, अमि- (कम्, c. 10.=wish : q.v.), *sought ground with young shoots* : अचकमत सपल्लवं धरित्रीम्, Ki. x. 49. ; (2) कांक्षते, -ति, आ-, अमि- (कांक्ष, c. 1. =1), *s.ing (your) place* : पदकांक्षिन् (f. णी), Ku. iii. 4. ; (3) प्रार्थयते (अर्थ, c. 10.=ask, beg : q.v.), *I do not s. pleasure or wealth* : न सुखं प्रार्थये नार्थम्, Ki. xi. 66.

SEEK (v.i.) : I. To make search : अन्वेषणं करोति : v. To search. II. To endeavour, strive : q.v. : घटते (घट्, c. 1.).

SEEKER : (1) अन्वेषक (f. षिका) : v. Searcher ; (2) प्रार्थयितृ (f. त्री) : v. Solicitor ; (3) कामयितृ (f. त्री), अमि- : v. To wish, long.

SEEM : (1) दृश्यते (pass. of दृश्=to look : q.v.) ; (2) माति, आ-, वि-, प्रति-, निर्- (भा, c. 2.=to appear), *why the great city of Oude s.s. to me to be bereft of its beauty* : गतश्रीरिव मे माति केनायोध्या महापुरी, Ram. ii. 73. 21. Ph. : *it s.s* (=I think) : मन्ये ; *it s.s simply for my purification* : मन्ये मत्पावनार्थम्, Ku. vi. 61.

SEEMING : I. Subs. : दर्शनम् : v. Appearance,